Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

# क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 47 , 10 नवम्बर, शुक्रवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

## सार समाचार

### गुजरात के गीर में बाइक सवारों ने किया शेरों का पीछा, वीडियो के बाद जांच के आदेश

**अहमदाबाद।** गुजरात के गीर के जंगलों से एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि दो बाइक्स पर चार व्यक्ति दो शेरों का पीछा कर रहे हैं और इन लोगों को गुजराती भाषा में कुछ बात करते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में एक शेर, शेरनी और उनके बच्चे हैं जिनका पीछा कुछ व्यक्ति कर रहे हैं और ये उनसे बचने की कोशिशों में जंगल के बहुत अंदर तक जाने के बेचैन नजर आ रहे हैं।

**बाइकर्स की तलाश जारी**

अब इस मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। यह वीडियो फेसबुक पर बुधवार को आया था। वानिकी अधिकारियों अब इस वीडियो के सोर्स और बाइक पर सवार लोगों का पता लगाने की कोशिशें कर रहे हैं। गीर सेंचुरी, पश्चिमी गुजरात में है और एशिया में यह अकेली ऐसी सेंचुरी है जहां पर एशियाई शेर पाए जाते हैं। एशियाई बब्बर शेर, अफ्रीकी शेरों से अलग होते हैं। एशियाई शेरों की पेट पर खाल लपटी होती है।

### तंदूर कांड के दोषी की रिहाई के दस्तावेज कोर्ट ने मांगे

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाईकोटने बुधवार को तिहाड़ जेल के अधिकारियों से कहा कि वे सजा समीक्षा बोर्ड की उस बैठक का ब्योरा पेश करें जिसमें तंदूर कांड के दोषी और युवा कांग्रेस के पूर्व नेता सुशील कुमार की समय से पहले रिहाई की अर्जी पर विचार किया गया था। न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार ने अपनी पत्नी नैना साहनी की हत्या कर उसका शव एक रेस्त्रां के तंदूर में फेंकने के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे शर्मा की याचिका पर यह निर्देश दिया। अदालत ने तिहाड़ जेल के अधीक्षक से दोषी का ताजा नोमिनल रॉल भी मांगा है। शर्मा के वकील सुमीत वर्मा और अमित साहनी ने समय से पहले रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि उनके मुवक्किल ने 25 साल से अधिक समय जेल में बिताया है, जो सजा समीक्षा बोर्ड के दिशानिर्देशों के मुताबिक अधिकतम निर्धारित सजा है।

### सात बिल्डरों पर 30 लाख का जुर्माना

**एनजीटी के आदेश के उल्लंघन पर**

**नोएडा।** जुर्माने की रकम सात दिन में एनजीटी के खाते में जमा करनी होगी शहर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर प्राधिकरण ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। प्राधिकरण ने एनजीटी के आदेशों का उल्लंघन करने पर सात बिल्डरों पर 30 लाख 50 हजार का जुर्माना लगाया है। एक कम्युनिटी सेंटर पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की रकम सात दिन में एनजीटी के खाते में जमा करनी होगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति ईपीसीए के चेयरमैन भूरेलाल के सख्त निर्देश के बाद प्राधिकरण ने शहर के सभी बिल्डरों के साथ बैठक कर एनजीटी के आदेशों का पालन करने के लिए कहा था। इसके साथ ही बिल्डरों को एनजीटी की गाइडलाइंस लिखित रूप में दी गई थी। इस दौरान बिल्डरों को चेताया गया था कि प्राधिकरण के अधिकारी समय-समय पर उनके प्रोजेक्ट का निरीक्षण करेंगे और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि शहर में एनजीटी के आदेशों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके तहत सात बिल्डर और एक कम्युनिटी सेंटर पर जुर्माना लगाया गया है। इस दौरान छह बिल्डरों पर 5-5 लाख और एक बिल्डर पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

### डीजल वाहनों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

गाजियाबाद (एसएनबी)। संयुक्त व्यापार मंडल की ओर से डीजल वाहनों की बिक्री पर रोक लगाकर प्रदूषण कंट्रोल की मांग की गई। इस संबंध में मंडल की ओर से पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा। ज्ञापन में तयात्मक चीजों का हवाला देते हुए बताया कि दिल्ली एनसीआर दुनिया में प्रदूषण के मामले में बदनाम हो चुका है।

प्रदूषण वायुमंडल में खतरनाक स्तर पर है। गत दिनों सुप्रीमकोर्ट ने दिवाली पर पटाखों पर रोक लगाकर इसकी गंभीरता को दर्शाने की कोशिश की थी। प्रदूषण के चलते स्कूल बंद कराए गए हैं। मंडल की ओर से मांग की गई कि सुप्रीम कोर्ट डीजल चलित वाहनों के उत्पादन को तत्काल बंद कराए ताकि वायू प्रदूषण पर रोक लगाई जा सके।

## निकाय चुनाव में खपाने की थी तैयारी

# कानपुर में केमिकल से बनाई जा रही देसी शराब,

**कानपुर।** सचेंडी पुलिस ने भौंती में बुधवार को नकली देसी शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। जगतपुर रोड स्थित एक घर में हुई अचानक छापेमारी में 250 पेटी तैयार शराब बरामद की गई। छापे में दो हजार लीटर केमिकल, ब्रांडेड देसी शराब के होलोग्राम, बोतल पैक करने की मशीनें मिलीं। पुलिस के हाथ महिला समेत तीन लोग लगे। नकली शराब बनाने वाला माफिया चकमा देकर भाग गया। सचेंडी पुलिस ने बुधवार देर शाम मुखबिर की सूचना पर छापा मार कर धरपकड़ की। सचेंडी एसओ जेपी शर्मा ने बताया कि भौंती जगतपुर रोड की नई बस्ती स्थित फैक्ट्री में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री के चलने की सूचना मिली थी। इस पर एसआई भूपेंद्र मिश्रा और पुलिस दल के साथ अचानक छापेमारी की गई। उस वक्त एक पिकप से 250 पेटी शराब भेजने की तैयारी थी। पुलिस ने पहुंचते ही पिकप कब्जे में ले लिया। घर में चल रही फैक्ट्री में छानबीन में शराब बनाने के लिए रखा दो हजार लीटर केमिकल, ब्रांडेड देसी शराब के हजारों हॉलमार्क, हजारों खाली बोतलें व पैक करने की मशीन भी मिली। यहां से रेउना घाटमपुर निवासी जीवन, मखौली घाटमपुर निवासी कल्लू व बैरी सवाई शिवली निवासी दीपिका शुक्ला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि फैक्ट्री संचालक भाग गया। एसओ ने बताया कि तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हाल में ही फैक्ट्री चालू करने की बात कबूली है। मुख्य आरोपी का नाम पता लगाकर उसे भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

**चुनाव में सप्लाई को बनाया था नया अड्डा**

कानपुर। भौंती में पकड़ी गई फैक्ट्री के पीछे एक महत्वपूर्ण बिंदु निकाय चुनाव में शराब की बढ़ी डिमांड भी माना जा रहा है। पुलिस की छानबीन में यह बात भी सामने आई है कि चुनाव में मांग के चलते शहर की सीमा से पहले जगतपुर में हाल ही में यह फैक्ट्री लगाई गई थी। 250 बोतल शराब की सप्लाई भी दूसरे शहरों को जा रही थी। यह फैक्ट्री हाईवे से लगभग आधा किमी ही दूर है। चुनाव में मांग के चलते दो हजार लीटर शराब से ज्यादा की आपूर्ति जल्द और होनी थी। माल को तैयार करने के लिए ड्रमों में केमिकल मंगाया गया था। यह माल नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा और जालौन तक जाना था। पुलिस को शक है कि नकली शराब माफिया का नेटवर्क कई प्रदेश तक फैला है। हाथ लगे तीनों लोग फैक्ट्री कर्मचारी हैं। संचालक के हाथ लगने पर नेटवर्क के राज खुलेंगे।

**केमिकल की होगी जांच**

अवैध फैक्ट्री से मिले केमिकल की जांच कराई जाएगी। एसओ का कहना है कि केमिकल के सैम्पल एक्सपर्ट को भेजे जाएंगे। यह शराब जानलेवा तो नहीं है, इसकी भी जांच होगी।

**ठेकेदारों के लिए मिलावटखोर बने मुसीबत**

शराब व्यवसाय में मिलावटखोर ठेकेदारों के लिए मुसीबत बने हैं। शहर में लाखों रुपए की नकली और मिलावटी अंग्रेजी और देसी शराब बेची जा रही है। लाइसेंसी ठेकेदार इससे परेशान हैं। इस बात की शिकायत ठेकेदारों ने आबकारी विभाग से की है। इस काम में पुलिस महकमे के भी लोग जुड़े हैं। दूसरे प्रदेश से सस्ती शराब लाकर यहां बेची जा रही है।

# मुठभेड़ के बाद मोस्ट वांटेड गिरफ्तार

## दो लाख रपए के ईनामी बदमाश पर लगा मकोका भी

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने देशभर की पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुके मोस्ट वांटेड और हाइवे पर लूट का मास्टर हाइवे रबर को दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में हुए एनकाउंटर के बाद अरेस्ट कर लिया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के मथुरा जिला निवासी साहुन के रूप में हुई।

आरोपी पर देश के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में स्थित हाइवे पर लूट की 50 से भी ज्यादा वारदातों को अंजाम देने का आरोप है, साथ ही पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पुलिस की गिरफ्त से तीन बार फरार होने में कामयाब रहा है। मोस्ट वांटेड बदमाश साहुन की गिरफ्तारी पर दिल्ली और यूपी पुलिस ने दो-दो लाख रपए का ईनाम घोषित किया था, जबकि हरियाणा और राजस्थान पुलिस ने भी इसकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित कर रखा था। वहीं खास बात ये है कि दबोचा गया यह अपराधी पर मकोका भी लगाया जा चुका है और इस केस में भी वह स्पेशल सेल द्वारा दो साल से वांछित था। पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक इस आरोपी की गिरफ्तारी में लगी कई राज्यों की पुलिस पिछले कई साल से सुराग निकालने में जुटी हुई थी। इसी बीच स्पेशल सेल के पास इस कुख्यात अपराधी के कालिंदी कुंज इलाके में आने की सूचना मिली।

सूचना मिलते ही एसीपी गोविंद शर्मा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर उमेश बर्थवाल के साथ टीम बनाकर सूचना के आधार पर उक्त स्थान पर घात लगाकर आरोपी के वहां पहुंचते ही उसे चारों तरफ से घेर लिया गया।

इस घेराबंदी को देखते ही आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी और मौके से फरार होने की कोशिश करने लगा। लेकिन इस बात के लिए पहले से सजग स्पेशल सेल की टीम के सदस्यों ने अपने आप को सुरक्षित रखते हुए आरोपी को दबोचने में कामयाब रहे। गिरफ्तारी के दौरान इसके पास से एक अत्याधुनिक पिस्टल और कारतूस बरामद किया गया।

आरोपी पर स्पेशल सेल ने वर्ष 2013 में अपराधिक गतिविधि को काफी बड़े पैमाने पर अंजाम देने और दिलाने की वजह से मकोका लगाया था। जिसमें फरार होने के कारण इसकी गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने दो लाख रूपए का ईनाम घोषित किया था। मेवात और उसके आसपास के इलाके में सक्रिय गैंग अक्सर दिल्ली के बाहरी और दक्षिणी इलाकों में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। साहुन का गैंग भी दिल्ली में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में लगा हुआ था।

# एम्स के पास पड़े बैग में मिला डेढ़ माह का मासूम

**नई दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली के हौज खास थाना इलाके में पुलिस ने एक लावारिस पड़े बैग में बंद एक डेढ़ माह के मासूम बच्चे को बरामद किया है। घटना इलाके में स्थित एम्स अस्पताल के पास की है, जहां से बच्चे को बैग से बरामद किया गया है।

बच्चा बैग में बंद झटपटा रहा था। बैग के अंदर हलचल देखकर वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने अस्पताल के सुरक्षागार्ड को मामले की सूचना दी जिसके बाद जब सुरक्षार्गड ने बैग खोलकर देखा तो वहां मासूम बच्चे को देखकर दंग रह गया। उसने फौरन बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत ठीक बताई जा रही है। उधर मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची हौज खास थाना पुलिस ने बच्चे के अज्ञात मां-बाप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार संगम विहार निवासी विवेक (30) एम्स में ही बतौर सुरक्षागार्ड काम करता है। मामला दो नवम्बर की सुबह का है, जब विवेक एम्स ओपीडी के पास ट्रैफिक की व्यवस्था देख रहा था।

# एलजी ने निर्माण कायरे पर लगाई रोक

**नई दिल्ली।** दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर जल्द सम विषम पण्राली लागू करने के लिए तैयारी की समीक्षा की। हालांकि तीन दिनों तक प्रदूषण स्तर को देखने के बाद इसपर निर्णय लिया जाएगा। सम विषम लागू करने की अधिसूचना तैयार है, स्थिति ज्यादा गंभीर होते ही इसे लागू किया जाएगा। डीडीसी के पास बसों की भारी कमी है।

राजधानी में 11 हजार बसों की जरूरत है लेकिन डीटीसी के पास चार हजार से कम बसें हैं। इस कारण डीटीसी इ टेंडर जारी कर कम से कम पांच सौ निजी बस लेकर विभिन्न रूटों पर चलाएगा ताकि सम विषम लागू होने पर लोगों को भारी असुविधा का सामना न करना पड़े। परिवहन मंत्री ने बैठक में फैसला लिया कि करीब पांच हजार सिविल डिफेंस वालंटियर को सम विषम फामरूला लागू करने के समय तैनात किया जाएगा जो सड़कों पर आम लोगों का मार्गदर्शन करेंगे व इसकी अवहेलना करने वालों पर नजर रखेंगे।

दिल्ली सरकार ने सम विषम लागू करने के लिए पांच सौ सेवानिवृत पूर्व सैनिकों को भी इस योजना के दौरान डयूटी पर लगाने का फैसला लिया है। ये परिवहन विभाग के इनफोर्समेंट के साथ काम करेंगे। पूर्व में सम विषम लागू होने पर लोगों को सीएनजी स्टिकर लेने में दिक्कत होती थी क्योंकि स्टिकर दिल्ली में सिर्फ एक स्थान पर मिलता था। इससे अफरा तफरी मच जाती है।

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राजधानी में वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर पहुंचने पर बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक कर सभी प्रकार के निर्माण गतिविधि पर रोक लगा दी है। साथ ही अगले आदेश राजधानी में ट्रक के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, लेकिन आवश्यक वस्तु लाने वाली ट्रकों को छूट दी गई है।

उपराज्यपाल की बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल , पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन व मुख्य सचिव डा एम एम कुट्टी सहित दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से सड़कों पर कम निजी वाहन आयें इसके लिए पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरी का आदेश दिया गया है। डीएमआरसी को फेरो में बढ़ोतरी के साथ डीटीसी को ज्यादा से ज्यादा बसें सड़कों पर उतारने के लिए कहा गया है। साथ निगमों को पानी का स्प्रे करने कहा गया है ताकि बालू व धूल न उड़ सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि खुले में किसी भी प्रकार का कूड़ा जलाने पर दो हजार रूपए का दंड के प्रावधान को सख्ती से अब लागू किया जाएगा।

डीजल जेनरेटर चलाने पर रोक जारी रहेगा। पार्किंग के रेट बढ़ा दिए गए है ताकि लोग अपनी गाड़ियों व निजी वाहनों का कम प्रयोग कर सकें। सम विषम पण्राली को जल्द लागू करने की तैयारी की जा रही है। अवैध फैक्टरियों पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर में प्रदूषण स्तर कम करने के कदमों पर चर्चा करने के लिए पंजाब एवं हरियाणा में अपने समकक्षों के साथ बैठक करने की इच्छा जताई है। केजरीवाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पत्र लिखकर कहा कि आप दिल्ली में वायु की खराब गुणवत्ता के बारे में जानते हैं। वायु की खराब गुणवत्ता के प्रतिकूल प्रभाव से बच्चों को बचाने के लिए मुझे स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा।

# 1 नवंबर को सजेगा 'हिन्दुस्तान शिखर समागम' का मंच

**लखनऊ।** हिन्दुस्तान शिखर समागम...ये वह आयोजन है जिसका इंतजार लखनऊवासी साल भर करते हैं। खुशी की बात यह है कि शहरवासियों का इंतजार खत्म हुआ और आयोजन की घड़ी आ गई। 11 नवंबर को होटल ताज विवांता में शिखर समागम का आयोजन होने जा रहा है। हर बार की तरह इस बार भी आयोजन में सितारों का तड़का होगा तो राजनैतिक विमर्श भी। सम-सामयिक विषयों पर चर्चा होगी तो हल्के फुल्के लम्हे भी। देश और समाज को बेहतर बनाने के मुद्दों पर बहस की जाएगी तो मनोरंजन और खेल जगत के नए पहलू भी सामने आएंगे। कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियां शिरकत करेंगी। कार्यक्रम का आगाज यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उदघाटन भाषण से होगा। इसके बाद अलग-अलग सेशन में अलग अलग क्षेत्रों के दिग्गज चर्चा करेंगे। दिग्गजों में सिनेमा से अजय देवगन और विद्या बालन हैं तो खेल से वीरेंद्र सहवाग और कुलदीप यादव। राजनीति से भी कई बड़ी हस्तियां आयोजन का हिस्सा बनेंगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, सचिन पायलट, झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, गृहमंत्री राजनाथ सिंह, भारतीय कम्युनिटी पार्टी के महासचिव सीतारामयेचुरी समेत कई राजनैतिक हस्तियां शामिल होंगी। वहीं आध्यात्मिक जगत से मां अमृत साधना, साधवी भगवती सरस्वती आयोजन में शिरकत करेंगी। आयोजन में शहर के विशिष्टजन भी हिस्सा लेंगे।

# दर्दनाक : देर तक तड़पती रही महिला आखिर सड़क पर दिया बच्चे को जन्म

**गोंडा।** सरकार, शासन और प्रशासन के लाख दावे और वायदे अब भी बेकार लगते हैं। गुरुवार की सिस्टम की उदासीनता तब देखने को मिली जब एक प्रसूता ने बालपुर चौराहे पर ही बच्ची को जन्म दिया। ऐसे पहले भी हो चुका है, जब अस्पताल की लापरवाही की वजह से या एंबुलेंस न मिलने पर सड़क पर ही प्रसव करना पड़ा। हलधरमऊ की ग्राम पंचायत बमडेरा निवासी कन्याकुमारी पत्नी राजन को गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा शुरू हुई। जिस पर घर वालों ने एम्बुलेंस को फोन किया। काफी देर तक एम्बुलेंस नहीं आई। इस पर कन्या कुमारी का पति पैदल ही बालपुर बाजार के लिए चल दिया। जैसे ही वह बालपुर चौराहे पर पहुंची तो वही वह निढाल हो गई। चौराहे ही पर उसने एक बच्ची को जन्म दिया। इस अप्रत्याशित घटना को देखकर बाजार की महिलाओं ने उसकी मदद की। करीब एक घंटे बाद पहुंची एम्बुलेंस से उसे अस्पताल पहुंचाया।

# भारत में डॉज़्टर मरीजों को महज दो मिनट देखते हैं : अध्ययन

**नई दिल्ली।** भारत में डॉक्टर मरीजों को औसतन महज दो मिनट ही देखते हैं। एक नए वैश्विक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि दुनिया की आधी आबादी के लिए प्राथमिक चिकित्सा परामर्श पांच मिनट से भी कम का होता है जो कि बांग्लादेश में 48 सेकेंड और स्वीडन में 22.5 मिनट है।

ब्रिटेन की चिकित्सा पर आधारित पत्रिका बीएमजे ओपन में कहा गया है कि भारत में प्राथमिक चिकित्सा परामर्श का समय 2015 में दो मिनट था, जबकि पाकिस्तान में 2016 में यह महज 1.79 मिनट का रहा। पत्रिका में शोधकर्ताओं ने लिखा है कि 'कम परामर्श समय मरीज के खराब स्वास्थ्य नतीजे से जुड़ा है और डॉक्टरों को जूझने के लिए ज्यादा जोखिम हो जाता है। दुनिया भर में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा की मांग बढ़ने से परामर्श के समय पर दबाव बढ़ रहा है। मरीजों और स्वास्थ्य सुविधा तंत्र पर संभावित असर का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने 178 संबंधित अध्ययनों से परामर्श समय की समीक्षा की जिसमें 67 देशों और 2.85 करोड़ से ज्यादा परामर्श को समेटा गया है।

सारे राजनीतिक दल अंत में अपने ही रचे झूठ के कारण समाप्त हो जाते हैं -जॉन अरबुथनट

## ''आग लगने के वक्त कुआं खोदने'

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) खासकर दिल्ली में प्रदूषण के बेहद खतरनाक स्तर ने सबों की जान सांसत में डाल दी है। एनसीआर में पिछले दिनों जिस तरह का दमघोंटू माहौल रहा, वह कई तरह की चिंता बढ़ा रहा है। दिल्ली गैस चेंबर में बदल चुकी है या इसका माहौल रिहायश के तौर पर डरावना है या यहां बेहतरी के बारे में सिर्फ सरकारें या सरकार से मोटा धन पाने वाली एजेंसियां एक धेले का काम नहीं करती हैं; ऐसा ही कुछ सामने दिखता है। सिर्फ प्रदूषण से निपटने की बात करें तो इसके लिएकरीब दस से ज्यादा विभाग और एजेंसियां मौजूद हैं, लेकिन एक लक्ष्यीय एक्शन प्लान सिरे से नदारद है। यहां तक कि अहम बैठकों तक में सरकारी विभाग के अधिकारी शामिल नहीं होते हैं। वे अपनी जवाबदेही से बचना चाहते हैं। ऐसे में प्रदूषण का दानव तो अट्टहास करेगा ही। ज्यादा चिंताजनक बात यह भी कि पिछले साल भी दिवाली के बाद तीन-चार दिनों तक ऐसा ही डरावना मंजर था, बावजूद इसके इस ओर से करीब सभी सक्षम सरकारी तंत्र ने आंख मूंदें रखी। क्या ऐसे सतही तरीके से हमारी वर्तमान और आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और खुशहाल रह पाएगी? बिल्कुल नहीं! तो हमें समाधान ढूंढ़ने होंगे। दूरगामी और स्थायी। और यह तभी होगा जब सख्ती के साथ-साथ जनता को जवाबदेह व जागरूक बनाया जाएगा। चिंता इस बात की नहीं कि प्रदूषण की काली छाया एक खास महीने में पड़ती है। अगर प्रदूषण दूर करने के उपाय जल्द नहीं खोजे गए तो हालात किस कदर भयावह होंगे, इसकी महज कल्पना ही की जा सकती है। अभी तो सिर्फ पीएम 2.5 का लेवल सामान्य से सात गुना ज्यादा, पीएम 10 का लेवल सामान्य से छह गुना ज्यादा और एयर क्वालिटी इंडेक्स 448 है तो जनता बेचैन, बेबस और लाचार दिख रही है। हालात जब हाथ से निकल जाएंगे तो सारे उपाय भी गश खाकर गिर पड़ेंगे। लिहाजा, सबसे पहले प्रदूषण के खलनायकों-पराली जलाना, डीजल की गाड़ियों का अंधाधुंध चलन, कोयला आधारित बिजली व अन्य संयंत्र को नियंत्रित, सड़कों पर धूल और कार्बन कण इत्यादि को खत्म करना होगा। साथ ही, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को दुरुस्त करना होगा। इसके अलावा, वैसे पौधों के रोपण को बढ़ावा देना होगा, जो वातावरण को शुद्ध रखते हैं। ''आग लगने के वक्त कुआं खोदने' की प्रवृत्ति से जब तक बचा नहीं जाएगा, एनसीआर मौत की भट्ठी बना रहेगा और हम जहरीली धुंध में घुटते रहेंगे।

## ''काला धन विरोधी दिवस'

मुद्रीकरण के एक वर्ष पूरे होने पर विपक्ष और सरकार पहले की तरह ही आमने-सामने है। विपक्ष ने जगह-जगह ''काला दिवस' मानाया तो सरकार ने ''काला धन विरोधी दिवस'। एक वर्ष पूर्व जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमुद्रीकरण की घोषणा की तबसे देश का यही हाल है। विपक्ष इसे अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी कह रहा है। कांग्रेस ने एक दिन पहले इसका विरोध करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी उतारा, जिन्होंने इसे अविचारी कदम करार देते हुए कहा कि अर्थव्यवस्था को इससे धक्का लगा, विकास दर गिरा और रोजगार छिने गए। सरकार का तर्क है कि इससे काले धन पर लगाम लगा है, डिजिटल लेन-देन बढ़ा है, कर आय का दायरा बढ़ा है और आतंकवाद एवं नक्सलवाद पर अंकुश लगा है। यह ठीक है कि विकास दर गिरा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी भारत के विकास दर के आकलन में कमी की है, यह सच है। किंतु दूसरा सच यह भी है कि इन्हीं संस्थाओं ने आने वाले समय में विकास दर के सामान्य होने की भी भविष्यवाणी की है। किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा विमुद्रीकरण को गलत कदम करार नहीं देना भी सरकार के पक्ष में जाता है। हालांकि इससे कोई इनकार नहीं करेगा कि अचानक 500 एवं 1000 रु पये की करेंसी बंद किए जाने से जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उसी तरह नकदी पर आधारित छोटे-कारोबारों की धमनियां कुछ समय के लिए थम गई। इससे रोजगार भी छिने गए। किंतु ऐसा नहीं हो सकता कि नोटबंदी लागू करते समय सरकार को इन आने वाली परेशानियों का आभास नहीं रहा होगा। ऐसे कदमों से तात्कालिक परेशानियां एकदम स्वाभाविक है, पर केवल उसके आधार पर इसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। भारत मूलत: अत्यधिक नकदी वाली अर्थव्यवस्था रही है, जिसमें व्यापक बदलाव की आवश्यकता है। विमुद्रीकरण ने इस दिशा में अर्थव्यवस्था को अग्रसर किया है। कार्ड, ई वॉलेट, ऑनलाइन लेन-देन और चेक का प्रयोग गांवों से शहरों तक बढ़ रहा है। और यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही अच्छा संकेत है। साथ ही विमुद्रीकरण को अर्थव्यवस्था के चरित्र में मौलिक बदलाव का कदम मान सकते हैं। वैसे इसका पूरा परिणाम सामने आने में समय लगेगा और हमें उसकी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

# ''स्किल इंडिया'

**पंजाब में गांव में डॉक्टर के पास मदुरै के विविद्यालय की डिग्री हो तो शक होता है कि क्या माजरा है? इसलिए सतही तौर पर लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम सराहनीय है। पर पत्राचार पर इन सवालों से अलग कई बुनियादी सवाल हैं। आखिर पत्राचार से पढ़ने की जरूरत क्यों होती है? जो लोग गरीबी या और कारणों से नियमित पढ़ाई रोक कर नौकरी-धंधों में जाने को विवश होते हैं, उनके लिए पत्राचार एक उत्तम माध्यम है। नौकरी करते हुए पत्राचार से पढ़ाई-लिखाई कर वे अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं और अपनी तरक्की के रास्ते पर बढ़ सकते हैं। पत्राचार का मतलब यह नहीं होता कि पूरी तरह घर बैठकर ही पढ़ाई हो; बीच-बीच में अध्यापकों के साथ मिलना, उनके व्याख्यान सुनना।**

सतीश पेडणोकर

हाल में एक अहम फैसला दिया है कि तकनीकी शिक्षा पत्राचार के माध्यम से नहीं की जा सकेगी। सतही रूप से यह बात ठीक लगती है कि तकनीकी तालीम घर बैठे कैसे हो सकती है? खास तौर पर जब ऊंची तालीम के मानकीकरण करने वाले आधिकारिक इदारे यूजीसी और एआईसीटीई ने जिन सैकड़ों डीम्ड यूनिर्वसटिज को इस तरह के पत्राचार के कार्यक्रम चलाने की इजाजत नहीं दी है, तो उनकी डिग्री को मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। दूसरी ओर वाजिब सवाल यह भी है कि ऐसे मुल्क में जहां आधी से अधिक जनता मिडिल स्कूल तक नहीं पहुंच पाती है और जहां सरकार ''स्किल इंडिया' जैसे छलावों से अधिकतर युवाओं को मुख्यधारा की तालीम से अलग कर रही है, तो ये लोग कहां जाएंगे ?ऐसा अनुमान है कि इस फैसले का असर उन हजारों युवाओं पर पड़ेगा, जिन्हें 2005 के बाद पत्राचार से तकनीकी कोर्स की डिग्री मिली है। उनके सर्टिफिकेट अमान्य हो जाएंगे और इसके आधार पर मिली नौकरियों से उन्हें निकाल दिया जा सकता है या आगे पदोन्नति से उन्हें रोका जा सकता है।

2005 से पहले भी पांच साल तक ऐसी डिग्री पाने वालों को दोबारा एआईसीटीई अनुमोदित इम्तिहान पास करने होंगे। पत्राचार से जुड़े कई सवाल हैं, जैसे किसी संस्थान को अपने मुख्य कैंपस से कितनी दूर तक पत्राचार का दायरा रखने की अनुमति है, इत्यादि। इन पर भी अदालतें समय-समय पर राय देती रही हैं। यह सब मुद्दे इसलिए हैं कि बहुत सारी डीम्ड यूनिर्वसटि फर्जी सर्टीफिकेट जारी करती रही हैं। पंजाब में गांव में डॉक्टर के पास मदुरै के विविद्यालय की डिग्री हो तो शक होता है कि क्या माजरा है? इसलिए सतही तौर पर लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम सराहनीय है। पर पत्राचार पर इन सवालों से अलग कई बुनियादी सवाल हैं। आखिर पत्राचार से पढ़ने की जरूरत क्यों होती है? जो लोग गरीबी या और कारणों से नियमित पढ़ाई रोक कर नौकरी-धंधों में जाने को विवश होते हैं, उनके लिए पत्राचार एक उत्तम माध्यम है। नौकरी करते हुए पत्राचार से पढ़ाई-लिखाई कर वे अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं और अपनी तरक्की के रास्ते पर बढ़ सकते हैं।

पत्राचार का मतलब यह नहीं होता कि पूरी तरह घर बैठकर ही पढ़ाई हो; बीच-बीच में अध्यापकों के साथ मिलना, उनके व्याख्यान सुनना, यह सब पत्राचार अध्ययन में लाजिम है। जाहिर है इस तरह से पाई योग्यता को मुख्यधारा की पढ़ाई के बराबर नहीं माना जा सकता है। साथ ही, ऐसे विषय जिनमें व्यावहारिक या प्रायोगिक ज्ञान जरूरी हो, उनमें पत्राचार से योग्यता पाना मुश्किल लगता है। इसलिए ज्यादातर पत्राचार से पढ़ाई मानविकी के विषयों में होती है। पहले अध्यापकों के प्रशिक्षण की पढ़ाई का अनुमोदन भी एआईसीटीई करती थी। बाद में इसके लिए एनसीटीई बनाई गई। पर क्या बेहतर उस्ताद बनाने का प्रशिक्षण पत्राचार से संभव है? वैसे ये बातें तालीम के स्तर की हैं।

कोई कह सकता है कि ऐसी समस्याओं का निदान ढूंढ़ा जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी जैसे कुछ तकनीकी विषय ऐसे हैं, जिन पर कुछ हद तक पत्राचार से पढ़ाई हो सकती है। जिस तरह की कुशलता की जरूरत बाजार में है, कॉल सेंटर में काम जैसी कुशलता इससे मिल सकती है। पर गहरा सवाल यह है कि क्या हम मुल्क के नौजवानों को बाजार के पुजरे में तब्दील कर रहे हैं? क्या पत्राचार से पढ़ने वाले युवा अपनी मर्जी से ऐसा कर रहे हैं या कि वे मुख्यधारा से अलग पढ़ने को मजबूर हैं? कहने को मौजूदा हुकूमत का जुमला है-मेक इन इंडिया। जुमलेबाजी से चीन जैसे विकसित मुल्क के खिलाफ हौव्वा खड़ा किया जा सकता है, देश के संसाधनों को जंग में झोंका जा सकता है, पर असल तरक्की के लिए मैन्युफैक्चरिंग या उत्पादन के सेक्टर में आगे बढ़ना होगा। मुख्यधारा की तालीम से वंचित रख युवाओं को ''स्किल' के नाम पर उत्पादन के सेक्टर से हटाकर कामचलाऊ अंग्रेजी और हां-जी हां-जी सुनाने वाली सेवाओं में धकेला जाएगा तो ''मेक' कौन करेगा? आज तकनीकी तालीम का अधिकतर, तकरीबन 95%, निजी संस्थानों के हाथ में है। सरकारी मदद से चलने वाले संस्थानों में सिर्फ तेईस आईआईटी, बीसेक आईआईआईटी, इकतीस एनआईटी के अलावा, यूनिर्वसटिज में इंजीनियरिंग कॉलेज हैं।

इसी तरह, मेडिकल कॉलेज भी सरकारी बहुत कम ही हैं। यानी कि तकनीकी तालीम में पिछड़े तबकों के लिए आरक्षण का फायदा नाममात्र का है। निजी संस्थानों में आरक्षण उन पैसे वालों के लिए है, जो कैपिटेशन फीस देते हैं। सरकारी एलिट संस्थानों से पढ़कर बड़ी संख्या में छात्र विदेशों में चले जाते हैं। संपन्न वगरे से आए इन छात्रों में देश और समाज के प्रति वैसे ही कोई प्रतिबद्धता कम होती है। आम युवाओं को इन संस्थानों तक पहुंचने का मौका ही नहीं मिलता है। कहने को भारत दुनिया में सबसे अधिक इंजीनियर पैदा करता है, पर इनमें से ज्यादातर दोयम दर्जे की तालीम पाए होते हैं। यही हाल डॉक्टरों का भी है। ऐसा इसलिए है कि पूंजीपतियों के हाथ बिके हाकिमों को फर्क नहीं पड़ता है कि मुल्क की रीढ़ कमजोर हो रही है, उन्हें सिर्फ कामचलाऊ सेवक चाहिए जो मौजूदा व्यापार की शर्तों में फिट हो सकें। तकनीकी विषयों में शोध के स्तर में भी भारत का स्तर चीन और जापान जैसे मुल्कों से बहुत पीछे है। इसलिए घोटाले नहीं भी होते तो भी पत्राचार से तालीम पर बुनियादी सवाल खड़े होते। क्या अच्छे स्तर की तकनीकी तालीम, अच्छी प्रयोगशालाएं, यह सब सिर्फ संपन्न वगरे, अगड़ी जातियों से आए पुरु षों के लिए ही रहेंगे? जरूरी यह है कि मुख्यधारा के निजी संस्थानों में पिछड़े तबकों के लिए दरवाजे खोले जाएं। तालीम सस्ती और सुगम हो कि हर कोई योग्यता मुताबिक इसका फायदा उठा सके। यह जरूरी नहीं है कि व्यावहारिक तालीम हमेशा अंग्रेजी में ही हो।

चीन-जापान और दीगर मुल्कों की तर्ज पर हिन्दुस्तानी जुबानों में तकनीकी साहित्य लिखने को बढ़ावा दिया जाए, ताकि पिछड़े तबके से आए युवाओं को तालीम हासिल करने में दिक्कत न हो।

## चलते चलते

### वर्षगांठ

**नोटबंदी की बरसी या वर्षगांठ जो भी मनाई गई, इसी तरह मनाई गई। वो भी बंदी थी, यह भी बंदी है। तब बोले यह नोट नहीं चलेंगे। अब बोले यह आंदोलनबाजी नहीं चलेगी। तब आदेश देनेवाली सरकार थी, अब एनजीटी है। एनजीटी श्री श्री से तो चार करोड़ का जुर्माना वसूल नहीं पाया। लानतें ऊपर से सही। पर जंतर-मंतर के ये आंदोलनकारी, श्री श्री थोड़े ही थे। वे कोई भव्य आयोजन थोड़े ही कर रहे थे।**

जंतर-मंतर भी हाथ से गया जी। पहले बोट क्लब गया, अब जंतर-मंतर भी गया। नोटबंदी की बरसी या वर्षगांठ जो भी मनाई गई, इसी तरह मनाई गई। वो भी बंदी थी, यह भी बंदी है। तब बोले यह नोट नहीं चलेंगे। अब बोले यह आंदोलनबाजी नहीं चलेगी। तब आदेश देनेवाली सरकार थी, अब एनजीटी है। एनजीटी श्री श्री से तो चार करोड़ का जुर्माना वसूल नहीं पाया। लानतें ऊपर से सही। पर जंतर-मंतर के ये आंदोलनकारी, श्री श्री थोड़े ही थे। वे कोई भव्य आयोजन थोड़े ही कर रहे थे। वे उनकी तरह जीना का सलीका नहीं सिखाते न। ऊपर से वे यह मांग और करते थे कि हमारे जीने का कोई सलीका करो। वे उनसे क्या मुकाबला करेंगे। इसीलिए जो आदेश वहां लागू नहीं हुआ। हुआ तो थुक्का-फजीहत से हुआ। वह यहां लागू फौरन लागू हो गया। जो सरकार अब इतनी सक्रिय दिखी, तब वह एकदम निष्क्रिय हो गई थी। जैसे अब पुलिस जंतर-मंतर खाली कराने पंहुची, वैसे तब वह पठान की तरह चार करोड़ वसूल करने नहीं पंहुची थी। खैर जी, नोटबंदी से रोजगार गया, कारोबार गया। पर अब जंतर-मंतर पर आंदोलनबंदी से आवाज गई। जरूरी तो सभी होते हैं जी। रोजगार भी जरूरी है, कारोबार भी जरूरी। उसी तरह आवाज भी जरूरी है। वह जंतर-मंतर से उठती थी तो हलकी भी होती थी, कमजोर भी होती थी तो भी संसद तक पंहुच जाती थी। अब कह रहे हैं कि आवाज ही उठानी है तो रामलीला मैदान जाओ। वहां कह रहे हैं-यहां तो जी, आवाज उठाने के पैसे लगते हैं। फ्री में कुछ ना होता। एक जमाने में शहरों को पेरिस और न्यूयार्क बनाने के लिए जैसे झुग्गियां हटाई गई थी, वैसे ही अब आंदोलनकारियों को हटाया दिया गया। उधर, हैदराबाद में धरना चौक से खदेड़ दिया और इधर यहां जंतर-मंतर से खदेड़ दिया। देखो इतना खूबसूरत इलाका है। कनॉट प्लेस है, दिल्ली का दिल है। यहां जंतर-मंतर है। यहां विदेशी आते हैं, टूरिस्ट आते है। यहां गंदगी नहीं चाहिए। शोर-शराबा नहीं चाहिए। देश की छवि खराब होती है। कहीं और जाओ। ऐ भूखे-नंगो, ए दबे-कुचलों, ऐ वंचितों, ऐ उत्पीड़ितों, ऐ मजलूमों, ऐ शोषितों, ऐ जनतंत्र के हामियो, ए हकों के लड़ाकुओ, अब कहीं और जाओ। जंतर-मंतर ने आपके साथ बहुत साल निबाहा, अब कहीं और ठिकाना तलाशो।

## मुद्दा

### केंद्रीय प्रदूषण नियंतण्र बोर्ड

सर्दियों की आहट के साथ उत्तर भारत में धुंध लौट आई है। दिल्ली-एनसीआर में तो हालात सबसे ज्यादा खराब है। केंद्रीय प्रदूषण नियंतण्र बोर्ड (सीपीसीबी) ने इधर दिल्ली के कई इलाकों समेत, आनंद विहार, गाजियाबाद और नोएडा में हवा की गुणवत्ता के सूचकांक को ''गंभीर' अवस्था जताते हुए दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि इस धुंध में पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलाई गई पराली का योगदान न के बराबर है, क्योंकि उधर से हवा की कोई ऐसी लहर इस दौरान यहां नहीं आई जो स्मॉग अपने संग ले आती। खुद दिल्ली-एनसीआर में सर्वोच्च अदालत के निर्देश के बाद पटाखों को जलाने से भी काफी परहेज बरता गया। तो सवाल है कि यह धुंध आखिर कहां से आई ?असल में इसके पीछे है इस पूरे इलाके में हर रोज बढ़ती कारों की संख्या। दिल्ली और इसके निकटवर्ती शहरों में बढ़ते निजी वाहनों से जहां सड़कों पर दबाव बढ़ा है, उनसे निकलने वाले जहरीले प्रदूषण की मात्रा में भी भयानक इजाफा हुआ है। 2016 बीतते-बीतते राजधानी दिल्ली की सरकार निजी कारों से जुड़ा आंकड़ा पेश करके बताया था कि वर्ष 2015-2016 के बीच इस महानगर में वाहनों की संख्या 97 लाख पार कर गई है। 2014-15 में यह संख्या 88 लाख थी जो कि एक ही साल में 9.93 फीसद बढ़कर एक करोड़ के करीब पहुंच गई। इन निजी वाहनों में सबसे बड़ी संख्या कारों की है, जिसका उपभोक्ता शहरी मध्यवर्ग है। मध्यवर्गीय तबके ने चार से पांच लाख की कार वैसे तो एक स्टेटस सिंबल या सपने के तहत ही खरीदी थी, लेकिन बढ़ती महानगरीय दूरियों और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की खामियों के चलते कारण वह उसकी अनिवार्य जरूरतों में शामिल हो गई है। निजी वाहनों का यह शौक या कहें कि मजबूरी कैसी-कैसी त्रासदियां रच रहा है, इसका सभी को थोड़ा-बहुत अनुमान है। जैसे,आईआईटी-कानपुर द्वारा जारी एक रिपोर्ट में साफ किया गया है कि देश में सर्वाधिक वाहन घनत्व वाले महानगर दिल्ली में हवा को जहरीला करने में वाहनों का योगदान 25 फीसद तक है। इस अध्ययन पर मुहर लगाते हुए दिल्ली सरकार ने बताया था कि देश की राजधानी में वर्ष 2015 में साढ़े 6 हजार लोगों की मौत श्वास संबंधी बीमारियों की वजह से हुई, जिसके लिए यहां की प्रदूषित हवा सीधे तौर पर जिम्मेदार है। वैसे तो ऑड-ईवन फॉर्मूला अपना कर, कार फ्री डे का आयोजन करके और 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों को सख्ती के साथ सड़कों से हटाने जैसे उपाय यहां की सरकार कर चुकी है, लेकिन जिस तरह से लोग कारों के पीछे भाग रहे हैं, उसका नतीजा है कि इस शहर में ट्रैफिक जाम और स्मॉग (जहरीली धुंध) की समस्याएं यहां की स्थायी नियति बन गई हैं। मसला अकेले दिल्ली-मुंबई का नहीं है। कानपुर, इंदौर, लुधियाना, अहमदाबाद समेत ज्यादातर उत्तर-मध्य भारतीय शहरों में ट्रैफिक जाम और वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण ने लोगों को सांस लेना मुश्किल कर दिया है। इसके कारण आम लोगों की जिंदगी औसतन तीन साल तक कम हो रही है। इस बारे में एक अध्ययन यूनिर्वसटि ऑफ शिकागो, हार्वर्ड और येल के अर्थशास्त्रियों का है। इसके मुताबिक देश के करीब 66 करोड़ लोग उन क्षेत्रों में रहते हैं, जहां की हवा में मौजूद सूक्ष्म कण पदार्थो (पार्टकिुलेट मैटर) का प्रदूषण भारत के ही सुरक्षित मानकों से ऊपर है। विश्व स्वास्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वर्ष 2014 के एक सर्वे में यह भी बता चुका है कि दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 शहर भारत में हैं। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा था कि वायु प्रदूषण भारत में अकाल मौतों की प्रमुख वजहों में से एक है। दिल्ली-एनसीआर में तो लोग मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए भी कारों का इस्तेमाल करते हैं। मेट्रो के बरक्स पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में बसें लोगों को ऐसी सहूलियत मुहैया नहीं करा पा रही हैं कि वे कार खरीद को तिलांजलि दे सकें। जब तक कारों की तादाद काबू में नहीं लाई जाती, ट्रैफिक जाम से लेकर धुंध के कहर-जहर को रोकना तकरीबन नामुमकिन ही है।

## सत्संग

### ''जूलॉजी' में ''लाइकन'

उदाहरण कोई अपवाद नहीं। ''एल्गी' जाति के ''प्रोटोंकोकस' पौधे और फंगस जाति के एक्टीनो माइसिटीज'' पौधे भी आपस में मिलकर एक दूसरे को बहुत सुंदर ढंग से पोषण की वस्तुएं प्रदान करते हैं। हमें शिक्षा ज्ञान देता है पर हम अपनी अनपढ़ धर्मपत्नी या अशिक्षित पड़ोसी के लिए एक घंटा भी नहीं निकाल सकते। हमारे माता-पिता हम जब बच्चे थे,तब आधे पेट गीले वस्त्रों में सोकर हमारी परवरिश करते थे,पर आज जब वे वृद्ध हो गए, तब हम उनकी क्या उतनी सेवा कर पाते हैं? दुकानदार, रेल वाला, बस वाला, सारा संसार यों कहिए अपनी सेवाएं हमें देने को तत्पर हैं। तब यदि हम दूसरों को धोखा देने की बात सोचें कृतघ्नता दिखाएं तो ऐसे व्यक्ति से नीच और घृणित कौन होगा? पौधों का क्या अस्तित्त्व, पर वे मनुष्य जाति से अच्छे हैं। ऊपर के दोनों पौधे मिलकर एक चपटे आकार का ढांचा बना लेते हैं, उसे ''जूलॉजी' में ''लाइकन' कहते हैं। इसमें से होकर एल्गी की जड़ें फंगस के पास पहुंचती हैं और फंगस की एल्गी के पास। एल्गी के पास जिस तत्त्व की कमी होती है, उसे फंगस पूरा कर देता है और फंगस की कमी को एल्गी-दोनों के आदान-प्रदान में यह थैला भी विकसित होता रहता है। औरों के कल्याण में अपना कल्याण, सबकी भलाई में अपनी भलाई अनुभव करने वाले समाज इसी तरह विकास और वृद्धि करते हैं और अपने साथ उन छोटे-छोटे दीन-हीन व्यक्तियों को भी पार कर ले जाते हैं, जो सहयोग के अभाव में दबे पड़े पिसते रहते हैं। स्कॉरपियन नामक एक मछली अपने शरीर के ऊपर छोटे-छोटे हाइड्रा जाति के जीवों को फलने-फूलने देती है, वे छोटे-छोटे जंतु हजारों की संख्या में एक सिरे से दूसरे सिरे तक पूरी सतह में फैले रहते हैं। देखने में यह हरे रंग के होते हैं। मछली के शरीर के ऊपर इनका पूरी तरह पोषण होता रहता है। जब एक अविकसित मछली दूसरे दीन-दुर्बलों की सहायता में इतना योगदान दे सकती है, तो हम हरिजनों, आदिवासियों, दहेज के अभाव में पीड़ित बहनों, दवा के अभाव में पिसते रोगियों के लिए जो अपने ही समाज के अंग है, कल्याण की योजनाएं क्यों नहीं बना सकते? जीव-जीव, पेड़-पौधों तक में जब एक-दूसरे के प्रति सेवा और सहयोग का भाव पनप रहा हो, तब मनुष्य जाति उससे पीछे हटे, यह उसका दुर्भाग्य ही कहना चाहिए। परोपकारिता घाटे का सौदा नहीं, व्यक्ति का महान स्वार्थ है।

## सड़कें भी खराब हैं, आईएएस भी हैं,कमी है तो सिर्फ'आर्मस्ट्रांग की!

आभा स्वामी

आर्मस्ट्रांग पेम। ये हैं मणिपुर के युवा आईएएस। कल यानी शनिवार को भोपाल में थे। मणिपुर इन्हें मिरेकल मैन के नाम से भी जानता है! इस उपाधि के पीछे कोशिश को कामयाब बनाने वाली एक अद्भुत कहानी है! पेम ने 2012 में सरकारी सहायता के बगैर पिछड़े इलाके के दो गांव तौसेम और तमेंगलांग के बीच 100 किलोमीटर की सड़क बनवा दी।

आईएएस की परीक्षा देने के बाद, पेम कुछ समय के लिए तमेंगलांग गए। उन्होंने अपने बचपन में यहां की कठिनाइयों को करीब से देखा था। इसलिए, मणिपुर के 31 गांवों को पैदल घूमने और वहां के लोगों का जीवन जानने का फैसला किया। जब ये तौसेम के एसडीएम बने, तब कई गांवों का दौरा किया और देखा कि लोग कैसे जरूरत का सामान पीठ पर लादकर लाते, घंटों पैदल चलते और मरीजों को बांस के बने स्ट्रेचर पर ले जाते। ऐसा वाहन चलाने-दौड़ने लायक सड़कें नहीं होने से था। जब उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि वे क्या चाहते हैं, सभी की एकमात्र इच्छा थी बेहतर सड़क।

आर्मस्ट्रांग ने धन जुटाने के लिए सरकार से संपर्क साधा, लेकिन संसाधनों के अभाव में उन्हें निराश होना पड़ा। तब उन्होंने फेसबुक के जरिए धन जुटाने का फैसला किया। खुद पांच लाख रुपए दिए और भाई से एक लाख दिलवाए, मां ने भी पिता की पेंशन से पांच हजार रुपए दिए। विदेश से आई मदद जब जुड़ी तो 40 लाख जुटा लिए गए। पेम की बनाई सड़क अब पीपुल्स रोड कहलाती है और सबक देती है कि समर्पण और समन्वय से किया संघर्ष साकार होता ही है!

सड़क दुर्घटनाओं में प्रदेश का प्रतिशत 11.2 था। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भी मध्यप्रदेश राज्यों में छठे क्रम पर रहा। यह भी प्रमाणित ही है कि सबसे बुरी हालत प्रदेश से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की ही है। जिनकी कुल संख्या 20 है और लंबाई 4,771 किमी। अब इस मसले के कुछ पहलुओं पर गौर भी कीजिए। जब केंद्र में अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार (2004 तक) हुआ करती थी, तो 2003 तक मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह राष्ट्रीय राजमार्गों की बदहाली के लिए केंद्र सरकार पर दोष मढ़ देते थे। यही स्थिति उस वक्त भी बनी, जब 2004 से 2014 तक केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकार रही। तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सड़कों के खराब हाल के लिए केंद्र की कांग्रेस को जिम्मेदार बताते थे। अब, मई 2014 से केंद्र-राज्य में भाजपा सरकार है। क्या अब भी कोई वजनदार वजह है? अब दूसरा मसला। राज्य राजमार्गों की कुल लंबाई 8,000 किमी है और पीडब्ल्यूडी का मानना है कि इसमें से करीब 6500 किमी लंबी सड़कों को अच्छी-खासी मरम्मत की जरूरत है। यही कारण है कि फिलहाल 6000 करोड़ का कर्ज लेकर सुधार का सपना बुना जा रहा है।

पंचायतों के जरिए तहसील होते हुए जो सड़कें जिला मुख्यालय आ रही हैं, उनके आसपास लगे बोर्ड यह तो बताते हैं कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के जरिए दूर-दूर बसे मजरेटोलों और खेत समूहों को जोड़ने के लिए सड़क संपर्क सुविधा मुहैया हो रही है, मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के दावे भी आसानी से देखे-पढ़े जा सकते हैं, लेकिन सड़कों के साथ चलती समस्याएं कुछ अलग कहानी बयां करती हैं! बिजली से ज्यादा, खराब सड़क की कीमत चुकाकर सत्ता गंवाने वाले दिग्विजय सिंह यदि नर्मदा परिक्रमा करते हुए खराब सड़कों की शिकायत सुनते होंगे तो ईश्वर जाने किसे दोष देते होंगे!

## योगी के मंत्री ने कहा -7 महीने में 10 लाख घर बनाए, सवाल: बालू कहां से आया? एकदम चुप

लखनऊ.नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने गुरुवार को लखनऊ में सीएम योगी से मुलाकात की। इस मुलाकात में यूपी के डेवलपमेंट को लेकर बात की गई। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह और नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने ज्वाइंट प्रेस कांफ्रेंस ने की । डेवलपमेंट पर बोलते हुए नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा, ''यूपी को डेवलपमेंट का स्तम्भ बनाने के लिए चीफ मिनिस्टर योगी आदित्यनाथ आगे बढ़कर कामों को कर रहे हैं ।'' इस सवाल पर चुप हो गए...

इस बीच कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा, ''अब यूपी चल पड़ा है। हमने पिछले 7 महीने की सरकार में पीएम आवास योजना के तहत 10 लाख मकान बनाकर दिए हैं।'' इस पर सीनियर जर्नलिस्ट ने सवाल पूछा- ''इन 10 लाख मकानों के लिए बालू कहां से आया, वो भी तब जब यूपी में बालू खनन यूपी में बंद है ?'' इस सवाल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों चुप हो गए। उसके तुरंत बाद मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने मामले को संभालते हुए कहा कि अभी हमने डेवलपमेंट पर आठ ग्रुप बनाए हैं, जिनके जरिए यूपी को आगे लेकर जाएंगे।

सीएम योगी की तारीफ

सीएम योगी की तारीफ करते हुए राजीव कुमार ने कहा-''कम समय में सभी औपचारिकताएं पूरी कर केन्द्र को फाइल भेज दी है, जिनकी जरुरत थी। इस पर सीनियर जर्नलिस्ट ने सवाल पूछा- ''इन 10 लाख मकानों के लिए बालू कहां से आया, वो भी तब जब यूपी में बालू खनन यूपी में बंद है ?'' इस सवाल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों चुप हो गए। उसके तुरंत बाद मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने मामले को संभालते हुए कहा कि अभी हमने डेवलपमेंट पर आठ ग्रुप बनाए हैं, जिनके जरिए यूपी को आगे लेकर जाएंगे। पीएम आवास योजना से नए बनाए जाने वाले मकानों की रिपोर्ट और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की रिपोर्ट शामिल है।

## एक्स एयरफोर्स कर्मी ने रचा किडनैपिंग का जाल, 6 दिन तक पुलिस रही परेशान

कन्नौज.एक फर्जी अपहरण का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने स्टेट बैंक के एक कैशियर को गिरफ्तार किया है। ये नौजवानों से एयरफोर्स में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करता था। बाद में जब युवकों ने पैसे वापस मांगे तो कैशियर ने खुद के अपहरण की साजिश रच डाली। बता दें कि ठठिया के सिखवानपुर का रहने वाला रामकुमार वर्मा तालग्राम स्थित स्टेट बैंक में कैशियर के पद पर तैनात है। इससे पहले वो वायु सेना में भी काम कर चुका है।

**दोनों मिलकर करते थे ठगी**

बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले रामकुमार की मुलाकात कानपुर के अविनाश से नाम के एक शख्स हुई थी, जिसने अपनी पहचान एयरफोर्स मेस के नायक सूबेदार के तौर पर बताई थी। तब से दोनों मिलकर एयरफोर्स मेस में नौकरी दिलवाने के नाम पर युवकों से पैसे लेने लगे। इसके बाद जब युवकों को नौकरी नहीं मिली तो वो पैसे वापस लौटाने की डिमांड करने लगे। जिसके चलते अविनाश कहीं फरार हो गया। इसके बाद रामकुमार अकेला पड़ गया तो उसने खुद के अपहरण की साजिश रच डाली।

वहीं, 3 नवंबर को परिजनों ने ठठिया थाने में रामकुमार के अपहरण की सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए रामकुमार को उसके ही घर से बरामद किया तो पूरा सच सामने आ गया।

## भाभी के भाइयों ने घर में घुसकर युवक को मारी गोली,बताई जा रही ये वजह

**इलाहाबाद।** एक युवक पर गुरुवार की सुबह उसके भाभी के भाइयों ने ही फायरिंग कर दी। इस घटना में उसकी जांघ में गोली लगी है। बताया जाता है कि बड़े भाई की दहेज के मामले में ससुरालवालों से विवाद चल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि, जांच के बाद ही कारणों का पता चल सकेगा। आगे पढ़िए पूरा मामला...

घटना इलाहाबाद के दारागंज कोतवाली की है। यहां का रहने वाला लकी पांडे आपराधिक प्रवृत्ति का है। उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं। अभी हाल ही में वह जानलेवा हमले के मामले में धारा 307 के तहत 6 महीने बाद नैनी सेंट्रल जेल से बाहर आया है।

बताया जाता है कि लकी के बड़े भाई रवि पांडे का अपनी पत्नी अर्चना पांडे से विवाद चल रहा है। अर्चना ने पति सहित अन्य ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज करा रखा है।

दरवाजा खोलते ही भाई के सालों ने कर दी फायरिंग

घायल लकी के अनुसार, 2 दिन पहले वह कीडगंज से घर आ रहा था। परेड ग्राउंड में बड़े भाई के साले दीपू और सीपू ने उसे रोका था और धमकी दी थी।

गुरुवार की सुबह दोनों घर आए और दरवाजा खटखटाया। दरवाजा खोलते ही दीपू और सीपू घर के अंदर घुस आए और गोली चला दी, जो उसके दाहिने जांघ में लगी। इसके बाद दोनों बम फोड़ते हुए फरार हो गए।

फायरिंग की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़ कर आए। दरवाजे के पास वह लहूलुहान पड़ा था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल स्वरूप रानी हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

लकी के चचेरे भाई मोहित पांडे ने बताया, मोहल्ले और पुलिस वालों ने घेरेबंदी करके दोनों भाइयों को पकड़ लिया है।

क्या कहती हैं पुलिस

सीओ दारागंज आदेश त्यागी ने बताया, लकी पांडे के बड़े भाई रवि पांडे का अपनी पत्नी और ससुरालियों से विवाद चल रहा है। आरोप है कि रवि के 2 साले दीपू और सीपू ने उस पर गोली चलाई है। दोनों को हिरासत में लिया गया है,उनसे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, दोनों आरोपियों का कहना है कि उन्होंने गोली नहीं चलाई है।

## चाय बेचने वाले की बेटी ने 10 साल की उम्र में किया ये कारनामा

कानपुर. एक चाय बेचने वाले की बेटी ने ताइक्वांडो में गोल्ड जीत कर अपना पिता और देश का नाम रोशन कर रही है। 10 साल की उम्र में ही पूजा ने गोल्ड मेडल जीता था। वहीं, नेशनल चैम्पियन ट्रॉफी में सिल्वर मडेल जीत कर एक कीर्तिमान हासिल कर चुकी हैं। मैं अपनी बेटी को ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहा हूं। सरकार से कोई सहयोग ना मिलने पर भी मैं अपना पेट काट कर बेटी को हर सुख सुविधा देने की प्रयास करता हूं।'' बच्चों के पीछे-पीछे चली गई थी स्टेडियम...

ग्वालटोली परमट मन्दिर के पास एक झोपड़ी में सतीश चौहान अपनी पत्नी समेत 3 बच्चों के साथ रहते है। सतीश ने बताया, ''पिछले 70 साल से हमलोग इस जगह पर रह रहें हैं। चाय की दुकान चलाकर किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण करता हूं।''

''पूजा कक्षा 3 में कानपुर नर्सरी स्कूल में पढ़ती है। घर के सामने से कालोनी के छोटे-छोटे बच्चे सफ़ेद ड्रेस में निकलते हुए पूजा उन्हें देखती थी। एक दिन वह उन बच्चों के पीछे-पीछे ग्रीनपार्क चली गई और जब लौट कर आई तो कहने लगी हमे भी ऐसी ड्रेस पहननी है। जो ये बच्चे वहां जाकर करते है मुझे भी वह करना है।''

''इसके बाद हमने लोगों की मदद से पूजा को ड्रेस लाकर दिए और उसे ताइक्वांडो सीखने के लिए भेज दिया। पूजा ने 10 साल की उम्र में ही यहां से लेकर राजस्थान तक कानपुर का परचम लहराया।''

''बेटी को आईपीएस अधिकारी बनाना चाहता हूं''

सतीश ने बताया, ''बेटी पूजा को बचपन से ही फाइटिंग का शौक था।

## देश का 7वां सबसे प्रदूषित शहर है लखनऊ, यूपी में नोएडा टॉप पर

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ की हवा दिन प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है। 8 नवम्बर को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी किए गए एयर क्वॉलिटी इंडेक्स की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। बुलेटिन में लखनऊ में प्रदूषण का लवेल 430 माइक्रोग्राम और वाराणसी में 318 माइक्रोग्राम दर्ज हुआ है। लखनऊ में प्रदूषण का स्तर प्रदेश के कई बड़े शहरों की अपेक्षा काफी अधिक है।

## सगाई के 1 दिन बाद हुई युवक की दर्दनाक मौत

इलाहाबाद.जिले के हंडिया थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक तेज रफ्तार स्कोर्पियो की ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कार्पियो सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका साथी और ट्रक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घायलों को इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि मृतक युवक की बीते मंगलवार को ही सगाई हुई थी। शांतिपुरम कॉलोनी का रहने वाला मृतक

सौरभ यादव(27) पुत्र घनश्याम यादव अपने मां-बाप की इकलौता बेटा था। बुधवार देर शाम वह अपने साथी राजेश यादव के साथ बरौत के लिए निकला था। इस दौरान गाड़ी अभी चकमदा इलाके के जी टी रोड के पास पहुंची थी कि हादसा हो गया।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, ''गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक सामने कुत्ता आ गया था, जिसको बचाने के चक्कर में गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी साइड चली गई। इस दौरान वाराणसी की तरफ से आ रही ट्रक ने स्कोर्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही स्कोर्पियो कई पलटी खाते हुए फिर से अपनी लेन में आ गिरी।''

टक्कर इतनी जबरदस्ती की स्कोर्पियो के परखच्चे उड़ गए। सूचना पाकर मौके पर पुलिस ने किसी तरह से युवकों को गाड़ी से बाहर निकाला। एक्सीडेंट में सौरभ की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका साथी राजेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटनास्थल पर मिले युवक के मोबाइल से पुलिस ने उसके घर वालों को घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद पिता घनश्याम पड़ोसियों के साथ एसआरएन अस्पताल पहुंचे।

# बिहार

## जीएसटी: 28 % टैक्स वाले के18% के स्लैब में आने की संभावना

पटना। उपमुख्यमंत्रीसुशील कुमार मोदी ने कहा कि जीएसटी एक नई कर व्यवस्था है, इसलिए थोड़ी बहुत परेशानी कारोबारियों को हो रही है। लेकिन केंद्र सरकार सारी समस्याओं का समय रहते समाधान करने को तैयार है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में जीएसटी में 28 फीसदी टैक्स स्लैब में शामिल वस्तुओं में से 80 फीसदी वस्तुओं को 18 फीसदी के स्लैब में लाए जाने की पूरी संभावना है। उपमुख्यमंत्री बुधवार को बिहार चैंबर ऑफ कामर्स में राज्य के विभिन्न व्यवसायिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी फिटमेन्ट कमेटी ने भी 18 प्रतिशत टैक्स वाले कई वस्तुओं की कर दर को कम कर के 12 प्रतिशत करने की अनुशंसा की है। अभी तक 100 से ज्यादा वस्तुओं पर टैक्स की दर कम की जा चुकी है। लेकिन उपमुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार में अगस्त महीने में जहां 58 प्रतिशत व्यवसायियों ने 3 बी रिटर्न दाखिल किए थे।वहीं सितंबर में मात्र 46.4 प्रतिशत ही दाखिल हुआ। व्यापारियों को क्या दिक्कत है इसे जानने के लिए सभी डीलरों के सर्वे का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी का अन्योन्याश्रय संबंध है। नोटबंदी की तरह ही जीएसटी का लक्ष्य स्वच्छ, पारदर्शी और ईमानदार अर्थव्यव-स्था को बढ़ावा देना है। बैठक में खाद्यान्न, सर्राफा, कपड़ा, किराना, रियल एस्टेट आदि से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों से उनके सुझावों को सुना। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स में जीएसटी के तहत लगने वाले टैक्स बैठक में बोलते उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी साथ में मौजूद पीके अग्रवाल, सुजाता चतुर्वेदी, डॉ. प्रतिमा चैंबर के सदस्यगण।

## बाल विवाह दहेज को रोकने के लिए जागरुकता में सहयोग करे पुलिस

पटना। बालविवाह और दहेज को रोकने के लिए पुलिस एनजीओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर गांव से पंचायत स्तर तक नुक्कड़-नाटक करे। लोगों को जागरूक किया जाए जो बाल विवाह करवाता हो या शादी में दहेज ले या दे, पुलिस उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। पटना के जोनल आईजी नैयर हसनैन खान ने अधीनस्थ एसएसपी, एसपी, एसडीपीओ, थानेदारों को आदेश दिया है कि पुलिस लोगों को यह बात बताए कि यह सामाजिक अपराध है। कानून में दो साल की सजा और एक लाख का जुर्माना का प्रावधान है।

## तीसरी शादी करने के लिए पति ने पत्नी की हत्या, बच्चों ने कर दिया खुलासा

बिहारशरीफ. दो मासूम बच्चों के सामने ही नशे में धुत पति ने अपनी पत्नी की पत्थर और गैस सिलेंडर से कुचकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद कृष्ण प्रसाद बच्चों को लेकर बाहर सोने चला गया। जब पिता के चंगुल से दोनों बच्चों छुटे तो पिता की करतूत लोगों को बताई। आरोपी तीसरी शादी करने के लिए पत्नी मंजू देवी को रास्ता से हटाना चाहता था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को ग्रामीणों ने पीटा...

यह घटना बिहार के नालंदा जिले के दीपनगर थाना के नवीनगर गांव में मंगलवार रात की है। इसका खुलासा बुधवार को हुआ।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि पत्नी तीसरी शादी में पति के लिए बाधक साबित हो रही थी। इस कारण उसे रास्ते से हटाया।

पत्नी की हत्या 8 साल की पुत्री और पांच साल बेटे के सामने कर दी। शव को अंधेरे कमरे में बंद कर आरोपी अपने दोनों बच्चों को लेकर गांव के स्कूल में सोने के लिए लेकर चला गया।

सुबह में बच्चे पिता की पकड़ से छूटे तो उन्होंने ग्रामीणों को रो-रोकर पिता की करतूत बताई। जिसके बाद ग्रामीणों ने घर का दरवाजा तोड़कर शव निकाला।

ग्रामीणों ने पति को पकड़कर उसकी पिटाई शुरू कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया।

गिरियक के मुस्तफापुर निवासी मृतका के पिता सुरेश महतो ने पति, ससुर सिद्धेश्वर महतो और देवर संजीव कुमार को आरोपित कर घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई है। फरार ससुर और देवर की तलाश में पुलिस जुटी है।

बेटी ने कहा- बाबूजी ने मां को मार डाला

बच्चों ने बताया कि देर रात पिता नशे में धुत्त होकर घर आएं और मां को घर से भागने के लिए कहने लगे।

पिता ने कहा कि भागकर जाओगी तो तीसरी शादी करूंगा। इस बात को लेकर माता-पिता के बीच कहासुनी होने लगी।

इसके बाद पिता ने पत्थर और गैस सिलेंडर से मां का सिर कुचल दिया। खून से लथपथ मां को पिता ने कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया।

## बहू और बेटी की इज्जत बचाने आई महिला, गुंडे ने उसके साथ किया रेप

मोकामा. लूटपाट करने आए अपराधी घर के लोगों को पीटने लगे। वे बहू और बेटी के साथ रेप करने की कोशिश करने लगे। इस दौरान विधवा महिला ने दोनों को छोड़ने की गुहार लगाई, जिसके बाद एक अपराधी ने 50 साल की महिला के साथ रेप किया।

घोड़ेपर सवार होकर आए थे अपराधी...

घटना बिहार के पटना जिले के मोकामा के सुल्तानपुर गांव में मंगलवार रात को घटी।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि कुख्यात अपराधी श्याम सुंदर पीड़िता के पड़ोसी के यहां आता जाता था। वह पीड़िता की बहू-बेटी पर गलत नजर रखता था।

मंगलवार रात को श्याम सुंदर अपने गिरोह के गुंडों के साथ घोड़े पर सवार होकर आया। वह पीड़िता के घर में घुसा और सबके साथ मारपीट करने लगा। इसके बाद उसने महिला की बहू और बेटी के साथ रेप की कोशिश की। महिला बहू और बेटी की इज्जत बख्स देने की गुहार लगाने लगी। गुंडों ने बहू और बेटी को तो छोड़ दिया, लेकिन विधवा महिला के साथ रेप किया।

आंचल फैलाकर मांगी मदद

घर से जाते समय अपराधियों ने धमकी दी कि अपना मुंह बंद रखना और पुलिस के पास गई तो बहू और बेटी के साथ वही करेंगे जो तुम्हारे साथ किया है।

बुधवार सुबह महिला घर से निकली और पड़ोसियों से आंचल फैलाकर मदद की गुहार लगाई। महिला की गुहार पर सैकड़ों की संख्या में गांव की महिलाएं जुट गईं और सभी ने एनएच 31 को जाम कर दिया।

पुलिस ने महिला के बयान पर सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया और पीड़िता को मेडिकल के लिए भेज दिया।

कई साल से अपराध में सक्रिय है श्याम सुंदर

श्याम सुंदर यादव इलाके का पेशेवर और कुख्यात अपराधी है। उस पर हत्या, लूट, अपहरण, डकैती, रेप के लगभग 20 मामले दर्ज हैं।

श्याम कई बार जेल जा चुका है। हर बार जेल से बाहर आकर वह पुन: सक्रिय हो जाता है।

उसके पास पुलिस राइफल, सेमी ऑटोमेटिक राइफल, थ्री फिफ्टीन राइफल सहित अन्य हथियार हैं।

## लालू के छोटे बेटे तेजस्वी ने मनाया 28वां जन्मदिन, बड़े भाई ने ट्वीट की फोटो

पटना. राजद प्रमुख लालू यादव के छोटे बेटे और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव गुरुवार को अपना 28वां जन्मदिन मना रहे हैं। रात के 12 बजे लालू आवास में केक काटा गया। इस दौरान लालू यादव, राबड़ी देवी, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। तेज प्रताप यादव ने बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। तेजस्वी का जन्म 9 नवंबर 1989 को हुआ था। आय से अधिक संपत्ति मामले में वह इन दिनों परेशानियों का सामना कर रहे हैं। छोटे भाई की परेशानी दूर करने के लिए बड़े भाई तेज प्रताप यादव गुरुवार सुबह पटना सिटी स्थित पटनदेवी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने 28 दीप से आरती की। तेज प्रताप ने तेजस्वी को शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि देश के सबसे युवा उपमुख्यमंत्री रह चुके और युवाओं के दिल में बसने वाले मेरे छोटे भाई तेजस्वी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

## राष्ट्रपति ने तीसरे कृषि रोडमैप का किया शुभारंभ, कहा- बिहार की धरती है अन्नापूर्णा

पटना. बिहार के तीसरे कृषि रोडमैप का शुभारंभ करने के बाद गुरुवार को बाबू सभागार में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि बिहार से जो स्नेह मिला उसको भूल नहीं सकता। यही से ही राष्ट्रपति भवन पहुंचा। यहां की धरती अन्नापूर्णा है। बिहार के किसान बाढ़ और सुखा के बाद भी अनाजों का अच्छा उत्पादन कर रहते हैं। यही कारण है कि बिहार को कई बार कर्मण पुरस्कार मिल चुका है। कोविंद ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद को राष्ट्रपति भवन में रोज प्रणाम करता हूं। मेरे कक्ष में भी राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा है। बिहार के आरा के वीर कुंवर सिंह और बक्सर के शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खान को भुलाया नहीं जा सकता है। कोविंद ने कहा कि बिहार में कृषि रोड मैप के कारण धान के उत्पादन में वृद्धि आई है। खाद्यानों के अच्छा उपज के कारण ही बिहार को कई बार कर्मण पुरस्कार मिल चुका है। बिहार में जैविक खेती के लिए प्रतिकुल परिस्थितियां है। जिसको लेकर काम भी किया जा रहा है। कोविंद ने कहा कि किसानों के अनाजों को सही कीमत के लिए मार्केटिंग करने की जरूरत है। जिससे अच्छी कीमत मिल सके। बिहार में वाटर मैनेजमेंट पर ध्यान देने की जरूरत है। जिससे बाढ़ और सूखा से किसानों को राहत मिलेगी। बिहार में सुधा डेयरी ने सफलता के बाद दिल्ली समेत कई राज्यों में अपना उत्पाद पहुंचा रही है।

छठ के दौरान ठेकुआ सुधा ने राष्ट्रपति भवन को भेजा था। बिहार के लोग कई देशों में उच्च पदों पर तैनात हैं और बिहार का गौरव बढ़ा रहे हैं।

एयरपोर्ट पर राज्यपाल और सीएम ने किया स्वागत

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद गुरुवार को पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए राज्यपाल सत्यपाल मलिक, सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सुशील मोदी समेत कई मंत्रियों ने स्वागत किया।

एयरपोर्ट से राष्ट्रपति का काफिला सीधे बाबू सभागार पहुंचा। सभागार में राष्ट्रपति ने दीप जलाकर 1 लाख 54 हजार करोड़ के बिहार के तीसरे कृषि रोडमैप को शुभारंभ किया।

जाने कृषि रोड मैप 2017-2022 को

राज्य का तीसरा कृषि रोड मैप 2017-22 का शुभारंभ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ज्ञान भवन के बापू सभागार करेंगे।

# श्री डेवलपर्स तथा हेत्वी हाईट्स के साझेदारों के खिलाफ 6.10 करोड की ठगी की शिकायत

**फ्लेट तथा दुकानों पर ली गई लोन की भरपाई किये बिना फायनांस कंपनी को जानकारी दिये बिना दस्तावेज बनाकर बेच दी गई मिल्कतें**

सूरत। खटोदरा पुलिस सीमा में रिंगरोड क्षेत्र जे.के. टावर में स्थित फायनान्स कंपनी के संचालक से सिद्धि डेवलपर्स तथा श्री डेवलपर्स के आठ साझेदारों ने मोटा वराछा में तथा लसकाणा में फ्लेटों तथा दुकानों का प्रोजेक्ट बनाकर फायनान्स कंपनी में प्रोजेक्ट के 46 फ्लेट और 11 दुकानें मोर्गेज पर रख कुल 6 करोड रुपये की लोन प्राप्त की थी। जिसके बाद साझेदारों की नियत में खोट आने से फायनान्स कंपनी के संचालकों की जानकारी के बाहर एनओसी प्राप्त कर दस्तावेज बनाकर तमाम फ्लेट तथा दुकाने बाहर ही बाहर बेच फायनान्स कंपनी के साथ 6.10 करोड की ठगी की। घटना के संदर्भ में फायनान्स कंपनी के संचालक ने आठ बिल्डर के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रिंगरोड, जे.के. टावर में पहले मंजिले पर स्थित रेलीगेट फीनवेस्ट लिमिटेड कंपनी के प्रभात नंदलाल बरोलीया ने आरोपी दिनेशष धीरज गोंडलिया, दीपक लालजी मनजी कोशिया, दिनेश बाबु अमरेलीया, हरिश हला गोलविया, बिपिन नरसिंह कथीरिया, जादव वालजी भीकडिया (सिद्धि डेवलपर्स, श्री डेवलपर्स के साझेदारो) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों ने अपनी फर्म के मोटा वराछा में स्थित हेत्वी हाईट्स के 46 फ्लेट, लसकाणा परम रेसीडेन्सी के 38 फ्लेट, 11 दुकाने फरियादी की फायनान्स कंपनी में मोर्गेज पर रख 6.10 करोड रुपये की लोन प्राप्त की थी। इस लोन की भरपाई करने की बजाय आरोपियों ने कंपनी की जानकारी के बाहर मोर्गेज लोन वाली मिल्कत बेच फायनान्स कंपनी के साथ ठगी किया। घटना के संदर्भ में शिकायत दर्ज कर खटोदरा पीआई एच.आर. ब्रह्मभट्ट ने आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

## दो मोबाइल स्नेचर को पब्लिक ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

सूरत। वराछा की पुरानी बॉम्बे मार्केट की गेट नंबर चार की पास से गुजर रहे व्यापारी की हाथो में जपता मारकर आठ हजार का मोबाईल लेकर भाग रहे बाइक्स गिरोह की दो सभ्यो को पब्लिक ने पकड़ कर पुलिस की हवाले किया है. । दोनो बदमाश मोबाइल स्नैचर है

वराछा पुलिस की अनुसार वराछा की पीना बॉम्बे मार्केट रोड स्थित स्वामिनायरायण नगर निवासी चंदूभाई छगनभाई पटेल 48 व्यापारी है । बुधवार की सुबह चंदूभाई वराछा की पुरानी बॉम्बे मार्केट की गेट नंबर चार की पास से गुजर रहे इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर आये बदमाशों ने व्यापारी के हाथो में जपता मारकर आठ हजार का मोबाईल चुराने की कोशिश कर भाग रहे बाइक्स गिरोह की दो सभ्यो को पब्लिक ने पकड़ कर पुलिस की हवाले किया है। पुलिस ने पीड़ित चंदूभाई की शिकायत पर दोनों स्नेचरों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने दोनों की पूछताछ करने पर अपना नाम शिकायत पर मामला दर्ज कर दोनो आरोपियों की पूछताछ करने पर अपना नाम भाथेना के रजानगर निवासी सलीम गफार पटेल तथा जुबेर जलाल शेख बताया है,

# सचिन के वांज गांव में 70 हजार की चोरी

**आठ ठगों ने गिरवी रखी मिलकत बेच दी**

सूरत। सचिन के वांज रोड स्थित हाइपावर ट्रांसमीटर दूरदर्शन केन्द्र में अनजान चोर उचकको ने प्रवेश कर दो ट्रांसफार्मर से 70 हजार की कोयल चुराकर फरार हो गए ।

सचिन पुलिस के अनुसार भटार के आकाशवाणी क्वाटर्स निवासी प्रदीप भाई सादाशिवराव मोहरिर 54 असिस्टेंट इंजीनियर है । सचिन के वांज रोड स्थित हाइपावर ट्रांसमीटर दूरदर्शन केन्द्र में अनजान चोर उचकको ने प्रवेश कर दो ट्रान्सफर को खोलकर अंदर से 70 हजार की कोयल चुराकर फरार हो गए हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सचिन पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है...

**फाइनान्स कंपनी के साथ 3.50 करोड़ की धोखाधड़ी**

रिंगरोड के सब जेल स्थित जे.के टावर की दूसरी मंजेली की एक फाइनान्स कंपनी आठ ठगों में 3 करोड़ 50 लाख का चूना लगाया होने का मामला सामने आया है. ठगों सिध्धि डेवलोपर ग्रूप द्वारा मोटावराछा में हैतवी हाइट्स तथा लसकाना की परम रेसिडेंसी के नामसे प्रोजेक्ट शरू कर इसी प्रोजेक्ट के फ्लैट ओर दुकान फाइनान्स कंपनी में गिरवी रख कर लोन लेनेके बाद भी अन्य व्यकित को दुकान व फ्लैट बेच दिये । खटोदरा पुलिस के अनुसार कड़ोदरा के सारोली रोड स्थित श्रेया हाइट्स निवासी प्रभात भाई नंदलाल भाई बरोलिया 38 व्यापारी है । रिंगरोड की सब जेल के निकट जे.के टावर की पहली मंजिलें पर प्रभात भी की रेलिगेर फिनवेस्ट नामक फाइनान्स लिमिटेड कंपनी आई है । मोटावराछा के गोपीनाथ सोसायटी निवासी दिनेश धुरू भाई गोंडलिया, मोटावराछा के वलकर्श्वर सोसायटी निवासी दीपक मनजी भाई कोशिया,जयंत कलुभाई सगर,लालजी मनजी भाई कोशिया, दीपक बाबूभाई अमरेलिया, हरीश दुलाभाई गोलविय,बीपीनभाई नरसिह भाई कथिरिया तथा जादव वालजी भाई भिकड़िया सहित आथो जने श्री डेवलपर्स फम तथा सिध्धि डेवलपस फम के पार्टनर है ।

आरोपियों ने मोटावराछा में हेतवी हाइट्स तथा लसकाना में परम्रेसिडेंसी के नामसे प्रोजेक्ट शरू किया । इसी बीच ठगों ने इसी दोनो प्रोजेक्ट के 8 3 फ्लैट तथा 11 दुकाने पीड़ित की फाइनान्स कंपनी में गिरवी रख कर 3 करोड़ 50 लाख की लोन लिथि । फ्लेट व दुकान गिरवी होने के बाद भी ठगों ने फर्जी दस्तावेज बनाकर उसे बेच दिया । हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर खटोदरा पुलिस ने आठो ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

# किसानों को नजर कैद किये जाने से किसानों में आक्रोष

सूरत। बारडोली विधानसभा सीट की एक दिवसीय मुलाकात पर पहुंचे अमित शाह के समक्ष किसानों द्वारा शिकायत की जाये इससे पुर्व ही उन्हें नजर कैद कर लिया गया। जिससे किसान समाज में भारी आक्रोष देखने को मिला। दक्षिण गुजरात के किसानों की जीवनडोर समान सुगर मीलों को आयकर विभाग की नोटिश सहित अलग-अलग मामलों को लेकर किसान समाज ने अमित शाह से शिकायत करने का आयोजन किया था। हलांकि पुलिस द्वारा जयेश पाल, जयेश देलाड और दर्शना नायक सहित किसान अग्रणियों को नजर कैद किये जाने से शिकायत करने का मौका नहीं मिला। किसान अग्रणियों को नजर कैद किये जाने से किसान समाज भारी आक्रोष की स्थिति देखने को मिली। उलेखनीय है कि पिछले काफी समय से सुगर मीलों को आयकर विभाग द्वारा दी गई नोटिश से सुगर मीलें भी असमंजस की स्थिति में हैं। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किसान समाज को अपेक्षा थी कि संभवत: आयकर सहित के मामले में सरकार द्वारा सकारात्मक रुख अपनाया जायेगा और उनकी अधिकांशत: मांगों पर सरकार ध्यान देगी।

# जुए की क्लब पर रांदेर पुलिस का छापा: हिरा व मकान दलाल सहित नौ जने गिरफ्तार

सूरत। रांदेर पुलिस को सुचना मिलने पर थाना छेत्र के अडाजण पाटिया स्थित सुन्दर चेम्बर्स की छत पर चल रही जुए की कलब पर छापा मारकर हीरा ०जमील दलाल सहित नव जने को गिरफ्तार किया पुलिस ने मोके पर से नगद ०मोबाईल फोन सहित ९८ हजार का मुद्दामाल जब्त किया है.

रांदेर पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों को सुचना मिली थी की थाना छेत्र के अडाजण पाटिया स्थित सुन्दर चेम्बर्स की छत पर जुए की कलब चल रही है जहा हीरा ०जमील दलाल सहित नव जने जुआ खेल रहे है सुचना के चलते पुलिस ने मोके पर छापा मारकर हीरा ०जमील दलाल सहित नव जने को गिरफ्तार किया पुलिस ने जुआरी ओकी पूछताछ करने पर अपना नाम कल्पेश रिखवचंद शाह,मेहुल अरुणभाई सोनी,कमलेश मफतलाल शाह,शैलेश हेमचन्द शाह,जीतेन्द्र मंगरदास सधवी,दीपक हिम्मतलाल शाह,मुकेश हसमुखभाई सोनी,महेश हरिभाई पटेल,तथा दिनेश हीरालाल शाह बताया है पुलिस ने मोके पर से नगद ०मोबाईल फोन सहित ९८ हजार का मुद्दामाल जब्त किया है.

## चुनाव प्रचार करने निकले भाजपा कार्यकर्ताओं पर फेंका गया अंडा

सूरत। वराछा श्यामधाम चौक में स्थित सोसायटी में भाजपा के कार्यकर्ता चुनाव प्रचार के लिए गये थे। हलांकि चुनाव प्रचार कर रहे भाजपा महिला कार्यकर्ताओं और सोसायटी के रहीशों के बीच घर्षण देखने को मिला। जिसमें रहीशों द्वारा महिला कार्यकर्ताओं पर अंडा फेंके जाने का आक्षेप लगाया गया है। वराछा क्षेत्र में श्यामधान चौक में स्थित तुलसी दर्शन और विराट नगर सोसायटी में भाजपा के अग्रणी और महिला कार्यकर्ता चुनाव प्रचार के लिए गई थी। इस दौरान सोसायटी के रहीशों ने कहा कि हमें अशांति का माहौल नहीं करना है इसलिए आप लोग वापस चले जाओ।

सूरत। सर्दिया शुरु होते ही शहर में विदेशी पक्षीयों का आगमन शुरु हो गया है। शहर के जहांगीरपुरा क्षेत्र स्थित वीयर कम कोजवे पर प्रवासी विदेशी पक्षी आने जाने वालों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे है।

# सूरत के व्यापारियों के राहुल का सवाल हास्यास्पद : स्मृति ईरानी

अहमदाबाद (ईएमएस)। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सूरत के व्यापारियों को लेकर राहुल गांधी के सवालों का हास्यास्पद करार देते हुए कहा कि चुनाव आते ही उन्हें व्यापारियों की याद आई है। स्मृति ईरानी ने आज भाजपा के गौरव महासंपर्क अभियान के तहत अहमदाबाद में डोर टू डोर प्रचार कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश लोगों को दिया। बाद में अहमदाबाद में भाजपा के मीडिया सेंटर में पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर कड़े प्रहार किए और कहा कि यदि उनका एजंडा विकास का है तो वे विकास का मजाक नहीं उड़ाते। सूरत के व्यापारियों में जीएसटी की नाराजगी को स्मृति ईरानी ने कांग्रेस की देन बताया और कहा कि कांग्रेस के नेता व्यापारियों को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी के मुद्दे पर केन्द्र सरकार और वह लगातार सूरत के व्यापारियों से मिलते रहे हैं तथा उनकी समस्या सुलझाने के प्रयास किए गए हैं। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने चुनावी फायदा उठाने के लिए सूरत के व्यापारियों को भड़काया। उन्होंने बताया कि जब व्यापारियों ने दिल्ली आने से इंकार किया तो वे खुद सूरत आकर उनसे मिलीं और सरकार व व्यापारियों में कई बार चर्चा हुई है और उनके प्रश्न जीएसटी काउंसिल को भेज दिए गए हैं। चुनाव के मौके पर कांग्रेस केवल आग लगाने का काम कर रही है। केन्द्र में जब कांग्रेस की सरकार थी तब उन्होंने सूरत की पावरलूम इंडस्ट्री में टेक्नोलोजी के विकास के लिए थोडी भी मदद नहीं की। अब इस संदर्भ में राहुल गांधी के सवाल हास्यास्पद लगते हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र अमेठी के विकास को लेकर स्मृति ने कई सवाल उठाए और कहा कि गांधी नेहरु परिवार की परंपरागत सीट पर आज भी लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पीने के पानी व सडकों की सुविधा नहीं है। बकौल स्मृति ईरानी वे राहुल गांधी के विकास का करिश्मा अमेठी में देख चुकी हैं, इससे बड़ी बात क्या होगी कि वहां विकास योजनाओं के उद्घाटन के लिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह व चुनाव में हारने वाली उम्मीदवार को जाना पडता है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के नेता व कांग्रेस नेताओं के बीच आरक्षण को लेकर हो रही बैठकों पर स्मृति ईरानी ने कहा कि जो पार्टी चुनाव नहीं जीत रही हो वह कुछ भी वादा कर सकती है। राहुल गांधी के बार बार गुजरात दौरों पर कटाक्ष करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि जो पिछले पांच साल में एक भी दफा गुजरात दिखाई नहीं दिए, वह आज गुजरात के चक्कर लगा रहे हैं।

## उद्योगपति के पुत्र के अपहरण की साजिश रचनेवाला गिरफ्तार

अमरेली (ईएमएस)। अमरेली के एक उद्योगपति के पुत्र का अपहरण कर रु. 50 लाख की फिरौती वसूलने से पहले पुलिस ने उत्तर प्रदेश के शख्स को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया। 30 वर्षीय योगेन्द्रसिंह उर्फ राजू रामनाथसिंह उत्तर प्रदेश के ईटा जिले के निवासी है और इंजीनियर है। प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि योगेन्द्रसिंह ने रेफ्रिजेशन इंजीनियरींग का कोर्स किया है और दो साल पहले वह अमरेली की एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। जहां वह रेफ्रिजरेशन मेन्टेनन्स का काम संभालता था। पांच महीने पहले योगेन्द्रसिंह को नौकरी से हटा दिया गया था।

# आरक्षण के मुद्दे पर बेनतीजा रही पाटीदारों व कांग्रेस की बैठक

अहमदाबाद (ईएमएस)। आरक्षण पर पाटीदार आरक्षण समिति और कांग्रेस नेताओं के बीच हुई बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला। देर रात तक चली बैठक में आरक्षण दिए जाने के तरीकों पर चर्चा होती रही, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक के बाद पाटीदार नेताओं ने कहा उनकी मुलाकात अच्छे माहौल में हुई। कांग्रेस ने दो-तीन विकल्प दिए हैं, जिन पर हार्दिक और समाज से चर्चा करने के बाद समर्थन का निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ ही पाटीदारों से कांग्रेस को समर्थन दिए जाने की घोषणा आगे के लिए टल गई है। कांग्रेस गुजरात में बीजेपी के वोट बैंक रहे पाटीदार समाज को अपनी ओर खींचने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। राज्य की 50 सीटों पर पाटीदार समाज का प्रभुत्व है। पाटीदारों का समर्थन या नाराजगी किसी भी राजनीतिक दल का गणित सुधार या बिगाड़ सकती है। कांग्रेस के आरक्षण के वायदे के बाद पाटीदार आरक्षण समिति के नेता कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के लिए पहुंचे थे। पाटीदार नेताओं से बातचीत की जिम्मेजारी वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल को दी गई थी। बैठक के दौरान सिब्बल के साथ गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष भी मौजूद थे। पाटीदारों ने सवाल किया कांग्रेस संवैधानिक तौर पर किस तरह पाटीदारों को आरक्षण दे सकती है। कांग्रेस ने जो फॉर्म ?यूला दिया था वह पाटीदारों के पसंद नहीं आया। उसके बाद कांग्रेस नेताओं को अलग बैठक करनी पड़ी। बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला है, लेकिन बैठक के बाद पाटीदार नेताओं ने कहा उनकी मुलाकात बेहद अच्छे माहौल में हुई। उन्होंने कहा कि दो से तीन विकल्प कांग्रेस ने बताए हैं, जिस पर पहले हार्दिक से और बाद में समाज से चर्चा करने के बाद कांग्रेस को समर्थन के मुद्दे पर निर्णय लिया जाएगा। सिब्बल ने बताया मुलाकात से क्या रास्ते बन सकते हैं उन बातों पर चर्चा हुई। पाटीदारों ने अगले दो दिन में समर्थन के मुद्दे पर रुख साफ करने को कहा है। इससे पहले भी एक और मुलाकात होनी है, जिसमें इस मसले पर सब अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा।

# गुजरात चुनाव के कारण जीएसटी में बदलाव की संभावनाएं बढ़ी

कपड़ा व्यापारियों को 2 साल तक मिल सकती है जीएसटी से छूट

सूरत (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव की ताजा स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार और भाजपा के हाथ-पैर फूल गए हैं। गुजरात में जीएसटी को लेकर हो रहे विरोध के बाद सरकार अब कपड़ा व्यापारियों को पुराने स्टॉक पर क्रेडिट देने के लिए सरकार तैयार होती दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने प्रचार के दौरान व्यापारियों को भरोसा दिलाया है कि जीएसटी के रिटर्न भरने पर उन्हें 2 साल की छूट देने और 20 लाख तक के कमीशन को जीएसटी से बाहर रखने की बात कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी के सरलीकरण को लेकर कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने सूरत के व्यापारियों को दिल्ली बुलाया और उनसे बातचीत की है। उन्होंने व्यापारियों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है। यह सब गुजरात विधानसभा चुनाव के कारण संभव हो पा रहा है। उल्लेखनीय है कि 2 माह पूर्व जब कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी गुजरात गई थी। उस समय कपड़ा व्यापारियों ने उनसे मिलने का समय मांगा था। उन्होंने मिलने का समय नहीं दिया था। अब स्थिति पलट गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी काउंसिल की 23 वीं बैठक के एजेंडे में 227 वस्तुओं को शामिल किया गया है। जिन पर अभी 28 फीसदी का टैक्स लगता है।

# गुजरात कांग्रेस का चेहरा भरत सिंह सोलंकी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में कांग्रेस के कददावर चेहरों में भरत सिंह सोलंकी पूर्व मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी के पुत्र हैं। उनके पास दिसंबर 2015 से गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान है। लोकसभा चुनावों में पार्टी को मिली हार के बाद अर्जुन मोढवाडिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद सोलंकी को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी यूपीए की दूसरी सरकार में भरत सिंह सोलंकी को ऊर्जा राज्यमंत्री का कार्यभार मिला। वर्ष 2004 से 2006 के बीच वह ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में सचिव भी रहे।

सोलंकी को 2004 और 2009 के गुजरात विधानसभा चुनावों में जीत हासिल हुई,लेकिन 2014 के विधानसभा चुनाव में वह आणंद सीट से चुनाव हार गए थे, उन्हें बीजेपी के दिलीप भाई पटेल ने चुनाव हराया था।

# आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पाटीदारों को मूर्ख बना रही है : रूपाणी

वडोदरा (ईएमएस)। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पाटीदारों को मूर्ख बना रही है। भाजपा के गौरव महासंपर्क अभियान के तहत वडोदरा पहुंचे विजय रूपाणी ने कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए और आरोप लगाया कि राज्य में जातिवाद के आंदोलन कांग्रेस का षडयंत्र है। कांग्रेस गुजरात में जातिवाद की राजनीति कर रही है, जो किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाटीदार आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस लोगों को मूर्ख बना रही है। रूपाणी ने विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा 150 से भी ज्यादा सीटों पर विजय प्राप्त करेगी। भाजपा के गौरव महासंपर्क अभियान के तीसरे दिन विजय रूपाणी आज वडोदरा में घर घर जाकर लोगों से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि बुधवार की रात करीब 3 बजे तक अहमदाबाद में कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में कांग्रेस और पास के बीच आरक्षण के मुद्दे पर बैठक हुई थी। जिसमें कांग्रेस ने आरक्षण के बारे में पास को तीन विकल्प दिए थे। विकल्प के बारे में कांग्रेस और पास ने कोई खुलासा नहीं किया। लेकिन दोनों कहा कि बैठक सकारात्मक रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या ( पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी ) **E-mail: krantisamay@gmail.com**